चिट्ठी आई मेरे श्याम दी

नी मैं घुट के कलेजे नाल लाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी,
नाले पढ़ पढ़ के हो गई शुदाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी....

गली विच आके जदो डाकिया सी बोलेया,
सुध बुध भुली बूहा दौड़ के मैं खोलेया,
मेरी हो गई सफल कमाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी....

चिट्ठी वेख मैनू चढ़ गईया ने खुमारिया,
अंबरा दे विच लोंदी फिरां मैं उडारियां,
ठंड चिट्ठी ने कलेजे विच पाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी....

चिट्ठी विचों आवे सोहनी खुशबु है प्यार दी,
चिट्ठी कादी आई रुत आ गई बहार दी,
किवें चिट्ठी दी मैं करा वड़ियाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी....

चिट्ठी विच भेजेया सी श्याम ने प्यार जी,
खुशी विच आई मेरे हंजुया दी धार जी,
नी मैं खुशी विच फुली ना समाई, चिट्ठी आई मेरे श्याम दी.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28272/title/chitthi-aayi-mere-shyam-di

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |